# साहसी और आत्मविश्वासी जेरमी

Written by
Yuanyuan Liu

Illustrated by
Yan Yao

Translated by
Parul Chaudhary

## Acknowledgement

I couldn't do this series of books at all without the wonderful illustrator Yan Yao, the English translator Alex Wachsman. I couldn't thank Carlos Barrera Rodriguez, Matan Mazursky, Angie Hsu, Liran Sharir, Parul Chaudhary, Ran Xu, Nami Sasaki, Diae Mizou, Shingo Yoshioka, Barbara Mangold enough for taking the time to make this book truly multilingual with their generosity and enthusiasm. A big thank you also to our logo designer Feng Xie. They are the best friends and collaborators anyone could ask for.

I am grateful that so many teachers and friends offered their valuable insights and suggestions, Qing Gao,Chunhui Zuo, Yashoda Pradhan , Xiaomin Sun, Xian Lu, Xubin Lu, Yiyi Chen, and Ziyan Zhao just to name a few. This passion project made me realize a future free of racism is not a dream. I would like to thank my loving parents Qixiang Zhang, Xuean Liu and my dear sister Yifen Liu and the entire family.I am forever grateful to you.



Text copyright © 2021 by Yuanyuan Liu
Illustration copyright © 2021 by Yan Yao



Published by

YYSTORYBOOKS



All rights reserved.



ISBN: 978-1-7372158-2-0

First edition 2021

To find more awesome books, please visit yystorybooks.com


# साहसी और आत्मविश्वासी जेरमी

Written by
Yuanyuan Liu

Illustrated by
Yan Yao

Translated by
Parul Chaudhary

अभिभावकों, शिक्षकों व बच्चों के साथ कार्य करने वाले सभी के लिये जो एशियाई लोगों के साथ होने वाले भेदभाव व नस्लवाद को खत्म करना चाहते हैं।

जेरमी के पापा अमरीकी हैं और माँ चीनी। बहुत से लोग जेरमी को 'मिलावटी' (मिला–जुला, मिश्रित) बुलाते हैं।

सन् 2020 में 1 जनवरी को जेरमी ने हवाई जहाज़ में बैठ अमरीका के शिकागो से चीन के शांघाई शहर का सफ़र तय किया। शांघाई से वह बुलेट ट्रेन में बैठ याग्तज़े नदी के किनारे बसे आनचिंग शहर पहुँचा। आनचिंग जेरमी का ननिहाल है।

चीनी नव वर्ष – जो इस बार चूहे के साल के रूप में मनाया जाना था आने वाला था! लेकिन, कोविड–19 नाम का एक किटाणु तेज़ी से फैल रहा था। इससे बचने के लिय सुरक्षित रहने के लिये जेरमी नाना– नानी के घर के अंदर ही रहा। टी0वी0 पर भी मास्क पहनने, बार–बार हाथ धोने और ज़्यादा लोगों से न मिलने के संदेश बार बार दिखाये जा रहे थे।

फ़रवरी का महीना आते आते अमरीका लौटने के बहुत से विमान कैन्सल कर दिये गये थे। जेरमी के माँ–पापा को कई बार विमान की टिकिट बदलवानी पड़ी। तब कहीं जाकर वह वापस अपने घर अमरीका लौट सके।

वापस लौटने के बाद से ही जेरमी की माँ ने सुनिश्चित किया कि घर से बाहर परिवार के सभी सदस्य मास्क लगा कर रखें। शुरु में उन्हें मास्क पहना देख स्टोर में लोग अजीब शक्लें बनाते। लेकिन तब भी जेरमी की माँ ने मास्क पहनने पर ज़ोर दिया। उनका कहना था कि मास्क पहन कर ही हम खुद को और दूसरों को बचा सकते हैं।

पहले मार्च, फिर अप्रैल और मई धीरे धीरे बीतते गये, कोविड–19 अमरीका मे ं सब जगह फैल गया। जेरमी अपनी माँ के चहरे पर अक्सर चिंता देखता। उसके पहल े जन्मदिन की दावत, जिसकी पूरी योजना बन चुकी थी, उसे भी अब जूम पर ही किया जाना था।

जेरमी के माता – पिता ने उसके जन्मदिन को खास बनाने का बहुत प्रयास किया। उन्हो ंने सारी दुनिया से दोस्तों को आमंत्रित किया और दावत का विषय रखा "वैश्विक सद्भाव"। ("वसुधैव कुटुम्बकम") जेरमी अपने दादा–दादी से गले नहीं मिल सकता था, लेकिन वह खुश था कि कम्पयूटर पर ही सही, वह अपने सभी परिजन और दा

पड़ोस के बच्चों का स्कूल भी अब कम्पयूटर पर ही होता है।

कभी – कभी जेरमी उन्हें उनके बगीचे मे ं फुटबॉल खेलते देखता है तो उसका भी मन उनके साथ खेलने को होता है। पर उसके माता–पिता सर हिलाते हुये कहते हैं कि अभी ऐसा करना सुरक्षित नहीं है।

उन बच्चों को देख जेरमी को लगता है कि वह भी दूसरे बच्चो के साथ खेलने की कमी महसूस करते हैं। पहले वह अपने परिवार के साथ चिड़ियाघर, पार्क, संग्राहलय, अक्वेरियम और भी बहुत जगह जाता था। अब तो लगता है कि वह कभी बाहर जाता ही नहीं।

देखते ही देखते एक बार फिर फरवरी और चीनी नव वर्ष का समय लौट आया। लेकिन इस साल सब अलग था। जेरमी की माँ और उनकी दोस्त ने घर की याद कम करने के लिये पारंपरिक व्यंजन आपस में बाँटे। कोई नहीं जानता कि वह वापस चीन कब जा पायेंगे।

उसके पापा कभी कभी न्यूज़ सुनते हुए बीच मे ं ही रेडियो या टी0वी0 को बंद कर देते। कुछ लोग कोविड–19 को ''वुहान वायरस'' , ''चीनी वायरस'' या ''कंग फ्लू'' कहकर बुलाते हैं। पापा को चिंता होती कि यह सब गलत नाम सुन कर जेरमी की माँ का दिल दुखेगा। सच तो है कि कोविड–19 से कोई भी बिमार हो सकता है, और कोई भी व्यक्ति इसे दूसरों को फैला सकता है।

यह बिमारी किसी नस्ल या किसी देश के लोगों की गलती से तो नहीं फैली। लेकिन कभी–कभी ला`ग अपनी चिंता और गलत जानकारी की वजह से एशियाई या वैसे दिखने वाल` ला`गों पर अपना गुस्सा निकालते हैं।

ला`गों द्वारा खराब व्यवहार की कई भयानक घटनाओं के बाद जेरमी की माँ और उनके एशियाई दोस्तों को अकेले बाहर जाने से डर लगता है। इस डर की भावना और अन्याय ने उन्हें एहसास दिलाया कि संगठित होकर इसका मुकाबला करने की ज़रूरत है।

उन्हो ंने साथ मिल कर कई जगह पर शांतिपूर्ण प्रदर्शन किये जिससे कि एशियाई लोगों के साथ हो रहा गलत व्यवहार / रहे घृणा अपराध बंद हो सकें।

उन सभी को अपनी परंपराओ ं पर गर्व है जो उन्हें शांति–प्रेम, बड़ों का आदर करना और बच्चो ं को संजोना सिखाती हैं।

जेरमी की माँ को कोविड–19 से बचाव का टीका लगने के बाद, जेरमी को उसके माँ–पापा देश की राजधानी वॉशिंगटन डी0सी0 ले गये। तब तक प्रदर्शन खत्म हो चुका था। सभी लोग जा चुके थे। बस चाँद की रोशनी में चमचमाती हुई बत्तखें वहीं आराम कर रहीं थीं।

"एशियाइयों से नफरत बंद करो", "एशियाई ज़िंदगियों की रक्षा करो", "हम अपनी रक्षा खुद करेंगे", "बुजुर्गों का आदर करें", हम संगठित हैं, हम एक हैं" जैसे नारे फुटपाथ पर चॉक से लिखे थे। यह मदद के लिये पुकार थी जो प्रदर्शनकारी पीछे छोड़ गये थे। वह अपनी आवाज़ सुनाना चाहते थे!

हमें एक दूसरे के साथ सम्मानजनक और न्यायसंगत व्यवहार करना चाहिये। दुनिया की बड़ी बड़ी स्वास्थ्य समस्याओं का हल विज्ञान से व सबके साथ मिल कर कार्य करने से ही संभव होगा। जेरमी ने सीखा कि उसे एक मज़बूत और आत्मविश्वासी चीनी व्यक्ति बनना होगा और साथ ही एक न्यायप्रिय और निष्पक्ष अमरीकी भी।

और इससे भी ज़्यादा ज़रूरी था उसका एक ज़िम्मेवार विश्व नागरिक बनना। सभी को अपनी खास पहचान में गर्व महसूस करना चाहिये और दूसरों की पहचान का भी आदर करना चाहिये।

एक बार फिर बसंत की सुंदर ऋतु आ गई थी। जेरमी के जन्म लेने पर लगाई पियोनिया सुंदर फूलो ं से लद गई थी। इस साल जेरमी का जन्मदिन भी अलग था। उसने जन्मदिन अपने घर के आंगन में दादा–दादी और कुछ दोस्तों के साथ मनाया। अपने नाना–नानी से जेरमी ने फोन पर बात की। उन्होंने जेरमी को कहा कि अगले साल वह सभी साथ में आंनचिग मे ं खिले कमल के फूलों को देखें ंगे।

# About

**Yuanyuan Liu** (she/her/hers) is a Chinese language instructor at UMBC - University of Maryland, Baltimore County. She graduated with a master's degree in Applied Linguistics from Beijing Language and Culture University and a second master's degree in Intercultural Communication from UMBC. She has been an enthusiastic Chinese teacher for 9 years. Before she came to the USA she worked at Jiangsu Educational Channel as director of several children's TV programs and the Third Future Golden Microphone Competition project manager. She just leveled up to become the proud mother of a two-year old cutie.

**Yan Yao** (she/her/hers) graduated from Nanjing University of the Arts, and also holds a master's degree from Wuhan University of Technology. She teaches Animation and other college level fine arts courses in China. Her work Ensemble stood out among many talents and is collected in the first Illustration in China Exhibition 2019, organized by The China Artists Association and China Literature and Art Foundation. Her work Ranran Doesn't Want to go to Sleep won the Excellence Prize in the 7th Anhui Arts Exhibition in 2020. She is the loving mother of a young boy who also shows great passion for painting and drawing.

A Letter to Parents

Covid-19 hit the world hard. The Asian community suffered not only from the virus itself, but also from the virus of racism. It has become critical to protect our children, especially children with Asian heritage. In this disturbing political and social climate, parents need to be more proactive. The traditional Chinese character "听/聽" teaches us to listen with our ears, eyes, and heart.

We should validate anything children may feel due to experiencing racism. No feelings are too small to address. Rolled eyes, a shrug, a verbal insult or physical violence all need to be carefully handed to avoid damage to their self-esteem. We parents need to be all ears to their worries, concerns, and confusion. We may not have all the answers for them yet, but we have arms to embrace them to open up.

For those who have little toddlers like mine who are too young to understand this topic directly, use action to slowly guide them to build a stronger and happier personality. Confidence is not built in one day. We need to constantly be aware of what is going on in their tiny but powerful brains that absorb any information. We need to guide them to choose when to listen, what to listen and how to listen critically and rationally. We also need to show them how to actively search for help and band together.

Celebrate diversity, celebrate differences. Learn from each other. Integrate with each other. Let children use their imagination to establish a little world of their own. I believe the future they build will be a whole lot wider and brighter.

Yuanyuan Liu !!

May 7, 2021